Raj Express (Indore), 14th July 2021, Page-2

आईआईटी इंदौर को दो सुपर कम्प्यूटर परमशक्ति और परम सिद्धि मिले

इंदौर। आईआईटी इंदौर में 14 से 16 जुलाई के बीच वर्चुअल मोड में कार्यशाला आयोजित की जा रही है। सुपर कम्प्यूटर शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (एसईआरसी) के राष्ट्रीय सुपर कम्प्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के अंतर्गत कृषि डोमेन में हाई परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग (एचपीसी) विषय पर एक कार्यशाला आईआईटी इंदौर, आईसीएआर-आईआईएसआर इंदौर और महिंद्रा यूनिवर्सिटी हैदराबाद द्वारा सी-डैक पुणे, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस बैंगलोर, आईआईटी खड़गपुर के सहयोग से वर्चुअल मोड में आयोजित की जाएगी। आईआईटी इंदौर की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरुणा तिवारी ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य शोधकर्ताओं, इंजीनियरों, उद्योग विशेषज्ञों, स्टूडेंट्स और चिकित्सकों को एक साथ लाकर, एनएसएम के तहत विकसित नवीनतम एचपीसी प्रौद्योगिकियों व इसके कृषि क्षेत्र में अनुप्रयोग के बारे में जागरुक करना है। डॉ. तिवारी, डॉ. मिलिंग रत्नपारखे आईसीएआर-आईआईएसआर इंदौर, डॉ. नेहा भारिल और डॉ. ओम प्रकाश पटेल, कृषि डेटा का विश्लेषण करने के लिए बिग डाटा, मशीन लर्निंग और एचपीसी का उपयोग करके स्केलेबल एल्गोरिद्म विकसित करने के लिए एनएसएम के तहत आईआईएससी द्वारा प्रदान की गई परियोजना पर काम कर रहे हैं। इस परियोजना के तहत आईआईटी इंदौर को दो सुपर कम्प्यूटर परमशक्ति और परम सिद्धि, आईआईटी खड़गपुर और सी-डैक पुणे से प्राप्त हुए है।

देश में सतत कृषि विकास में एचपीससी का प्रभावः कार्यशाला में संरक्षक प्रोफेसर एन.के. जैन, निदेशक, आईआईटी इंदौर व मुख्य अतिथि प्रो. डी.बी. फाटक, बीओजी अध्यक्ष, आईआईटी इंदौर रहेंगे। कार्यशाला में कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में समानांतर प्रोग्रामिंग क्लस्टर और विषम वास्तुकला व एचपीसी का उपयोग करने के लिए सीयूडीए, सीयूएमएल जैसे विभिन्न समानांतर प्रोग्रामिंग मॉडल पेश किए जाएंगे। जीनोमिक्स के लिए बिग डेटा एल्गोरिम का प्रदर्शन व इन प्रोग्रामिंग मॉडलों पर व्यावहारिक अभ्यास करना कार्यशाला का मुख्य आकर्षण है।